

खरगोन, दिनांक 08/12/2024

//प्रतिवेदन//

म०प्र०उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के आदेशानुसार क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय खरगोन एवं पीजी कॉलेज खरगोन के संयुक्त तत्वाधान में जनजातिय गौरव दिवस के अवसर पर जनजातिय गौरव इतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर 1 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पी.जी.कॉलेज सभागृह में किया गया जिसमें कुलगुरु डॉ.मोहनलाल कोरी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में बताया कि भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनजातिय समाज को एक जूट किया एवं उनके अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी, उनकी जयंती के उपलक्ष्य में भारत सरकार द्वारा साल 2021 से जनजातिय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की।

मुख्य वक्ता के रूप में श्री वैभव सुरंगे वनवासिय कल्याण परिषद् नागपुर ने अपने उद्बोधन में जनजातिय समाज में स्वतंत्रता की लड़ाई में मुख्य रूप से महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया की आदिवासी समाज में महिला पुरुष में कोई भेद नहीं हैं साथ ही उत्तम सामाजिक व्यवस्था विद्वान हैं। ऐसे समाज की व्यवस्थाओं से संबंधित पुस्तकों के अभाव की बात कहते हुए कहा की महाविद्यालयों में इस प्रकार के विभिन्न आयोजन से जनजाग्रति प्रदान करने की आवश्यकता को बताया।

इस विषय पर विभिन्न कॉलेजों से पधारे प्राचार्यों एवं प्राध्यापकों द्वारा समूह बनाकर चर्चा द्वारा भविष्य की कार्ययोजना बनाई गई। कार्यक्रम में डॉ.आर.एस.देवडा, श्री मेहताब सिंह बर्वे, श्री कालूराम फगवे, श्री कालूसिंह मण्डलोई, श्री मधु धनगर, श्री अमर ठाकुर, श्री पीरू कनौजे, पी.जी.कॉलेज प्राचार्य प्रो.एस.डी.पाटीदार राष्ट्रीय शिक्षा नीति नोडल अधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता कॉलेज के प्राध्यापक उपस्थित रहे।

इस कार्यशाला में बताया गया कि जिले के विभिन्न महाविद्यालय भी अपने-अपने महाविद्यालय में इसी प्रकार की कार्यशाला आयोजित कर छात्र-छात्राओं को जनजातिय समाज के गौरवपूर्ण इतिहास के प्रति जागृत करें। इस अवसर पर 200 प्राध्यापकों द्वारा भागीदारी की गई।

प्राचार्य
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खरगोन



प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय खरगोन, जिला - खरगोन (म०प्र०)

(NAAC द्वारा B++ ग्रेड से प्रत्यायित संस्था, CGPA 2.81)

E-mail – hegggckhr@mp.gov.in

Phone no. +91-7282-241562



प्राचार्य
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खरगोन

[illegible]

दैनिक पत्रिका
09-12-2024

जनजातीय गौरव दिवस पर कार्यशाला

पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

खरगोन: जनजातीय समुदायों के योगदान को सम्मानित करने और उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने के उद्देश्य से रविवार को क्रांति सूर्य टंटया भील विश्वविद्यालय ने जनजातीय गौरव, एतिहासिक सामाजिक और आध्यात्मिक योगदान विषय पर एक दिनी कार्यशाला आयोजित की। कुलसचिव डॉ. जीएस चौहान ने अतिथियों का परिचय दिया। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कुलगुरु डॉ. मोहन लाल कोरी ने बताया भारत के महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनजातीय समुदायों को एकजुट किया और उनके अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। उनकी जयंती के उपलक्ष्य में भारत सरकार ने साल 2021 से जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाते की शुरुआत की। मुख्य



वक्ता वनवासी कल्याण परिषद नागपुर वैभव सुरंग ने बताया आदिवासी समाज में महिला-पुरुष में कोई भेद नहीं है। उत्तम सामाजिक न्याय व्यवस्था विद्यमान है। ऐसे समाज के बारे में समाज को जागरूक करने के लिए प्रामाणिक पुस्तकी की कमी होने की चिंता व्यक्त करते हुए इसके लिए पाठ्यक्रम में इन विषयों शामिल करने की आवश्यकता पर चर्चा की। जनजाति विकास मंच के प्रांत संयोजक रूपसिंह नागर ने कहा

जनजाति समाज ही मुख्यधारा है तथा बाकी सभी समाज को उस मुख्यधारा से जुड़ने की की जरूरत है। मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व सदस्य भगीरथ कुमावत ने संबोधित किया। उक्त विषय को लेकर सभी जिलों की अलग-अलग समूह चर्चा बाद भविष्य की कार्य योजना तैयार की गई। संचालन डॉ. राजाराम आर्य ने किया। आयोजन में 5 जिलों के महाविद्यालयों से प्राचार्य, नई शिक्षा नीति नोडल तथा सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज में कार्यशाला आज

खरगोन। क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय में रविवार को जनजाति गौरव दिवस पर भारत माता सभाग्रह पीजी कॉलेज एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसमें ऐतिहासिक सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर वक्ताओं का व्याख्यान होगा। कुलसचिव डॉण् जीएस चौहान ने बताया कि कार्यशाला में जनजातीय नायकों के संघर्ष और उनके द्वारा राष्ट्र भूमि के लिए किए गए अपने बलिदान को विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए कार्य योजना का निर्माण किया जाएगा। कुलगुरु डॉण् मोहनलाल कोरी की उपस्थिति में आयोजित होने वाली इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य सहित दोण्दो प्रतिभागी उपस्थित होंगे।

प्राचार्य

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खरगोन